इकाई 3 सरल समाज

इकाई की रूपरेखा

3.0 उद्देश्य

3.1 प्रस्तावना

3.2 सरल समाजों में अर्थव्यवस्था

- 3.2.1 आखेट और संग्रहण (Hunting and Gathering)
- 3.2.2 पशुचारण (Pastoral)
- 3.2.3 झूम कृषि (Shifting Cultivation)
- 3.2.4 स्थायी कृषि (Settled Cultivation)

3.3 सरल समाजों में विनिमय प्रणाली

- 3.3.1 दो उदाहरण
- 3.3.2 बाज़ार

3.4 सरल समाजों में सामाजिक संगठन

- 3.4.1 नातेदारी (Kinship)
  - 3.4.1.1 वंशक्रम (Descent)
- 3.4.2 विवाह
- 3.4.3 धर्म
  - 3.4.3.1 धर्म और जादू
- 3.4.4 राज्यतंत्र
  - 3.4.4.1 राजनीतिक व्यवस्था के प्रकार-मुखिया वाली (Cephaious)
  - 3.4.4.2 मुखिया रहित (Accphalous)

3.5 सरल समाजों पर औपनिवेशिक प्रभाव

- 3.5.1 पारंपरिक उत्पादनों की आपूर्ति (Traditional Products Supply)
- 3.5.2 नई फसलों का प्रचलन
- 3.5.3 औद्योगिक मज़दूर
- 3.5.4 उपनिवेशवाद की समस्याएँ

3.6 सारांश

3.7 शब्दावली

3.8 कुछ उपयोगी पुस्तकें

3.9 बोध प्रश्नों के उत्तर

3.0 उद्देश्य

इस इकाई को पढ़ने के बाद आपके लिए बताना संभव होगा:

- सरल समाज के मुख्य लक्षण;
- सरल समाज का सामाजिक संगठन;
- सरल समाज में प्रचलित धार्मिक तथा राजनीतिक व्यवस्था का स्वरूप; तथा
- सरल समाजों पर पड़े उपनिवेशवाद का प्रभाव।